>

Title: Need to provide insurance claim to farmers of Uttar Pradesh particularly in Barabanki parliamentary constituency whose crops suffered damages due to unseasonal heavy rains.

श्री पन्ना लाल पुनिया (बाराबंकी): यह अत्यंत महत्वपूर्ण विषय उत्तर प्रदेश विशेषकर मेरे लोक सभा क्षेत्र में अत्यधिक बेमौसम की बरसात के कारण खराब हुई फसल से किसानों की हालत से संबंधित है।

फरवरी, 2013 के प्रथम सप्ताह में उत्तर प्रदेश में भीषण बरसात हुई जिससे प्रदेश में काफी तबाही हुई है। खेतों में जल भराव से किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं। मेरे लोक सभा क्षेत्र बाराबंकी में आलू, सरसों, मटर, मसूर, चना आदि की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है। इस दैवीय आपदा से किसानों की कमर टूट गई है। इस घटना को बीते 2 सप्ताह से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक नष्ट हुई फसलों का सर्वे नहीं कराया गया है। इस संबंध में, मैंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा बाराबंकी जनपद के जिला अधिकारी को दिनांक 7.2.2013 को पत्र लिखकर सर्वे कराने तथा बीमा क्लेम दिलवाने का अनुरोध किया था। बड़ी विडम्बना है कि देश भर के किसानों को फसलों के लिए जब भी बैंक या सहकारिता ऋण स्वीकृत किया जाता है, उनसे तुंत फसल बीमा की किश्त के नाम से ऋण से कटौती कर वसूल कर ली जाती है। जिस प्रकार बैंक एवं सहकारी समितियां प्रीमियम काटने में तीव्रता से कार्य करती है उतनी तीव्रता दैवीय आपदा पर मुआवजा देने में भी दिखाई दी जानी चाहिए। यदि किसी दबाव में कभी-कभार मुआवजा देना पड़ जाता है, तो उसकी राशि इतनी कम होती है, जिससे किसान अपने आंसू भी नहीं पोंछ पाता। कल ही उत्तर प्रदेश के एक किसान द्वारा आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है, यह अत्यंत दुखद है।

मेरा अनुरोध है कि इस संकट की घड़ी में किसानों को हर संभव मदद देने तथा उनकी फसलों का सर्वे कराते हुए बैंक, बीमा कंपनियों, सहकारी समितियों तथा राज्य सरकार को बीमा क्लेम जल्द से जल्द देने के निर्देश प्रदान करें।

)